मेट्रो 3 की सुरंग का काम पूरा

मेट्रो शुरू होने से मुंबईकरों को मिलेगी ट्रैफिक जाम से निजात

■ **मुंबई,** नवभारत न्यूज नेटवर्क. 30 नवम्बर की तारीख मेट्रो 3 के निर्माण में एक यादगार तारीख बन गई, जब मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो की टनलिंग का शत प्रतिशत काम पूरा हो गया. एमएमआरसीएल की टीम ने मुंबई सेंट्रल मेट्रो स्टेशन पर मील का अंतिम पत्थर पार करते हुए खुदाई का काम पूरा कर लिया. कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज के मेट्रो-3 कॉरिडोर पर अपने अंतिम सिरे को टीबीएम तानसा-1 मशीन ने 558 कांक्रीट के छल्ले का उपयोग करते हुए 837 मीटर की अपनी सबसे चुनौतीपूर्ण ड्राइव को पूरा किया. इसे पूरा करने में 243 दिन लगे. पैकेज-3 में मुंबई सेंट्रल, महालक्ष्मी, विज्ञान संग्रहालय, आचार्य अत्रे चौक और वर्ली मेट्रो स्टेशन शामिल हैं, जो लाइन-3 कॉरिडोर के सबसे लंबे हिस्सों में से एक है.

एनएटीएम तकनीक से निर्माण : अंडरग्राउंड मेट्रो 3 के स्टेशनों के निर्माण न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) तकनीक से किया जा रहा है. इसके तहत सुरंग कार्य के साथ कट एंड कवर मेथाडोलॉजी अपनाई गई है और इससे स्टेशनों का काम हो रहा है. एमएमआरसीएल के प्रोजेक्ट डायरेक्टर एस.के. गुप्ता ने बताया कि श्रमिकों की सुरक्षा के साथ बेस्ट तकनीक का इस्तेमाल किया गया. जापान सरकार के वित्तीय सहयोग से एमएमआरसी द्वारा किए जा रहे इस बहुद्देशीय प्रोजेक्ट के लिए राज्य सरकार ने आरे में ही कारशेड बनाए जाने का निर्णय लिया है. वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अश्विनी भिड़े के मार्गदर्शन में मेट्रो 3 के कारशेड का काम भी आरे में शुरू है.एमएमआरसी के अनुसार 2024 तक कारशेड के साथ इस मेट्रो को शुरू करने की योजना है.

38,000 करोड़ की लागत

लगभग 38,000 करोड़ रुपयों की लागत से बन रही मुंबई मेट्रो-3 परियोजना की कुल लंबाई 33.5 किमी होगी. यह मेट्रो लाइन पूरी तरह से भूमिगत होगी. इसके 27 में से 26 स्टेशन भूमिगत होंगे, सिर्फ एक स्टेशन जमीन के ऊपर होगा. यह मेट्रो कोलाबा से सीप्ज तक की दूरी एक घंटे में पूरी करेगी. नरीमन प्वाइंट, कफ परेड, फोर्ट, लोअर परेल, बीकेसी और सीप्ज जैसे व्यस्त कार्यक्षेत्रों को यह मेट्रो जोड़ेगी.

आकार ले रहे भूमिगत स्टेशन, प्रोजेक्ट का काम

2024 तक शुरू करने का लक्ष्य

किसी भी भूमिगत मेट्रो के निर्माण में टनलिंग का काम सबसे चुनौतीपूर्ण होता है और आज हमारी ने उस चुनौती को पार पा लिया है, मुझे खुशी है कि यह काम शत प्रतिशत पूरा हो गया है. अब आगे का आम और भी तेज गति से होगा. सुरंग का काम पूरा हो जाने से अब पूरे प्रोजेक्ट का कुल 76.6% काम हो चुका है.

-अश्विनी भिड़े, एमडी - एमएमआरसीएल

भूमिगत मेट्रो की खासियत

- कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज तक लगभग 33.50 किमी लंबी मुंबई की पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो 3 है.
- मेट्रो मार्ग पर कुल 27 स्टेशन हैं, इनमें 26 स्टेशन अंडर ग्राउंड तथा 1 जमीन के ऊपर.
- इस मेट्रो परियोजना की लागत लगभग 34 हजार करोड़ तक पहुंच गई है.
- यह मेट्रो लाइन वेस्टर्न को सेंट्रल लाइन से जोड़ने का काम करेगी.
- अंडरग्राउंड होने के कारण इससे मुंबई को भारी ट्रैफिक से निजात मिल सकेगी.